शुभ कामनाएं - मैं ऐसी आशा करता हूँ

(भजन रचयिता - डॉ यतेंद्र शर्मा)

है नए किरन की आन, मैं करू तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करू तुम्हें परनाम. मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (१)

जीवन स्वस्थ कल्यान, सरीर सुवरन समान।
काया रोग से अनजान, जपे हिय हरी श्री नाम॥
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम।
मैं करू तुम्हें परनाम. मैं ऐसी आशा करता हूँ .... (२)

पाएं सब सुख औ मान, करें कृपा श्री राम।
ना कष्ट कभी अपमान, संकट हरें हनुमान॥
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम।
मैं करू तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (३)

ना कम कभी धनधान, जीवन हरदम ईमान।
सद राह चले यह जान, दीजे विवेक भगवान्॥
है नए किरन की आन, मैं करू तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करू तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (४)

ना कम कभी हो शान, अर्पित जीवन निष्काम।
सत्संग प्रेम दिलशान, कामना हमारी भगवान्॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, ऐसी आशा करता हूँ.... (५)

हो संतान संत समान, कीरत छुए असमान।
सब पूरन तुम्हरे काम, किरपा करें श्री राम॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (६)

ह्रदय में ना अभिमान, हों अतिथि संत समान।
चाहें सबका कल्यान, बस यही एक हो आन॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (७)

ना तंज़ ना तीर कमान, सबको प्रेम औ सम्मान।
भाई चारे का एलान, सब छोटे बड़ों का मान॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (८)

हो हिय सम असमान, ना तुरटी पै कभी ध्यान।
सब पूरन मंगल काम, सद मारग दें श्री राम॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (९)

देंं उच्च विचार भगवान्, जीवन सदा आसान।
करें हरदम हम दान, दें ऐसी मती श्री राम॥
है नए किरन की आन, मैं करूं तुम्हें परनाम।
जीवन बसंत समान, ना शीत ना कभी घाम॥
मैं करूं तुम्हें परनाम, मैं ऐसी आशा करता हूँ.... (१०)